कृपया प्रकाशनार्थ **16 सितंबर 2011**

चार महिनों में पेट्रोल दामों में
14 प्रतिशत बढोत्तरी यांने क्रूरता की परिसीमा : राम नाईक

मुंबई,शुक्रवार: ''दशहरा - दिपावली का इंतजार कर रही जनता को फिर एक बार पेट्रोल के दामों में वृध्दी कर बेहाल करने का काम कांग्रेस सरकार ने किया है. पेट्रोल के दाम मई में रु.63.08 थे उसमें तब पांच रुपयों की तो अब रु. 3.40 की याने चार महिनों में कुल 14 प्रतिशत दाम बढा कर पेट्रोलियम मंत्री ने क्रूरता की परिसीमा को लांघ दी है'', ऐसे शब्दों में पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री. राम नाईक ने पेट्रोल दामों की बढोत्तरी की निंदा की.

''इस दाम वृध्दी का किसी भी तरह समर्थन नही हो सकता. अर्थतज्ञ प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह की सरकार की अर्थनीति गजब की है. एक ओर आम जनता की जरुरतें जैसे कि पेट्रोल, डिजल, केरोसीन व रसोई गैस की किंमतों में भारी वृध्दी, तो दुसरी ओर रईसों के हवाई जहाज के इंधन-एटीएफ के दाम पेट्रोल से भी रु. 13.50 कम, याने प्रति लीटर सिर्फ 58.45 ऐसी अर्थनीति है इस सरकार की! दामवृध्दी से जनता पीसी जा रही है. और तो और पिछले सिर्फ एक साल में 11 बार व्याज दर बढा कर जले पे नमक छिडकाने का काम यह सरकार कर रही है'', ऐसी आलोचना श्री. राम नाईक ने की.

''अब तो रसोई गैस पर भी प्रतिबंध लगाकर उसे महंगा करने की साजिश सरकार सोच रही है. गरीब तो क्या आम मध्यम वर्ग के लोग भी इस वर्ष दिवाली न मनाएं ऐसी शायद इस सरकार की कामना है'', ऐसी प्रतिक्रिया देकर श्री. राम नाईक ने आशंका व्यक्त करते हुए कहा,''पहले ही रसोई गैस की कृत्रिम कमी है, उसमें यह प्रतिबंध भी लगे तो रसोई गैस का काला बाजार और तेज होगा.''

(कार्यालय मंत्री)